

दैनिक जागरण

Page No : 07 TOP

होनहारों को मिली छात्रवृत्ति, तालियां बजीं, चेहरे खिले

एसआरएमएस ट्रस्ट ने 31 साल पहले 21 हजार रुपये से की थी शुरुआत, शनिवार को बांटी तीन करोड़ की छात्रवृत्ति

जास्ती, वर्षी: छात्रवृत्ति हासिल करने वाले आप्र-छात्राओं के चेहरे की सुख्ख्यन बढ़ी हुआ होती है। शनिवार को 800 विद्यार्थियों के चेहरे पर एक साथ ऐसी ही मुस्कान लौर उड़ी। एमबीबीएस के कई छात्रों के दो लाख रुपये तो कइसी ने हजारें रुपये की स्कूलरशिप हासिल की। इस तह तीन करोड़ रुपये की स्कूलरशिप आरामभूति स्मारक कलोज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आरामभूति शास्त्रिक में एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से जारी गई। ट्रस्ट ने वर्ष 1990 में 11 लोगों को 21 हजार रुपये देकर इसकी शुरुआत की थी, जो हजार तीन करोड़ तक जा पहुंची।

पूर्व मंत्री राममूर्ति की 32वीं पुष्टियिति पर हुआ ब्रदांजलि समारोह: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व मंत्री राममूर्ति की 32वीं पुष्टियिति पर शनिवार को आयोजित ब्रदांजलि समारोह में इटावा घराने के सितार यादक उस्ताद जाकिर खान ने प्रतिशोधित में प्रदेश के विधिन जिलों से 20 कहानीकारों ने हिस्सा लिया। देहरादून के विजय विश्वार को 'कहानी कर भला सो हो भला' के लिए प्रथम पुरस्कार स्वरूप 11 हजार रुपये मिले। निशांत कुमार,



गणी व शान्ति की जर्दी परिज्ञान यादक ताकिर द्वारा प्रशस्ति स्वरूप अदित्य मूर्ति, महावीर डा. उमेश गौतम वदारी और कैरमसे देवमूर्ति ● सौ. एसआरएमएस

सर्वश्रेष्ठ कहानीकारों का भी हुआ समान: एसआरएमएस में हुई कहानी प्रतिशोधित में प्रदेश के विधिन जिलों से दूसरी की 32वीं वाद-विवाद प्रतिशोधित के विजेताओं की स्मृति विट्टन दिए। इसमें 11 विजेताओं के 22 कहानों ने भाग लिया।

वीर रहे उपस्थिति: ब्रदांजलि समारोह में महापौर डा. उमेश गौतम, जिला पंचायत मूर्ति, प्राचार्य बरेली कलेज अनुराग

शाकिर खां और जयते कृष्णा को प्रतिभा अलंकरण समान

जास्ती, वर्षी: देश व प्रदेश सहर पर नाम रोशन करने वाले सितार यादक शाकिर खां और नीतिकार जयते कृष्णा को प्रतिभा अलंकरण समान समानित किया। जयते 35 वर्षों से कौशल विकास, आर्थिक एवं क्षेत्रीय सुधारों की संबल देखते हैं।

उन्होंने दैनिक जागरण से हुई बातें विद्यार जिले में आहटी पार्क की शुरुआत को योग्यता दिया जाता है। यहीं, वाकीनीकि एसलो से जुड़े एक सालाह पर यूरोपीयों की जह की चाहींति विश्व विशेषज्ञ तिए जाने को ज्यादा वेहतर कहा। सितार यादक उस्ताद जाकिर खान भी 20 वर्षों से देश व विश्व स्तर पर अपनी कला से नाम रोशन कर रहे हैं।

मोहन भट्टनागर, डा. अजय शर्मा, डा. वंदना शर्मा, प्राचार्य आरामभूति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मैडिकल साइंसेज डा. एसपी गुप्ता, ट्रस्ट एडवाइजर हैं। सुभाष मेहरा, डॉन पैकेडमिक्स प्रो. प्रभाकर गुप्ता, निदेशक टीडीपी रेल डा. अनुज कुमार आदि मौजूद हैं।